

22 मार्च 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

पर्यावरण:

1. जल, विश्व शांति स्थापित करने का एक साधन:
2. वैश्विक जलमंडल, और उसकी चुनौतियों का मार्गदर्शन कीजिए:

सामाजिक मुद्दे:

1. जल असुरक्षा महिलाओं को कैसे प्रभावित करती है?

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

1. परमाणु ऊर्जा: वित्त को सुधारना

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले क्यों किए?

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. बस्टर्ड आवास में बिजली लाइनों को बदलने की गुंजाइश का अध्ययन करने के लिए पैनल गठित:
2. पर्यावरण मंत्रालय ने बायोप्लास्टिक पर नियम कड़े किये:

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

जल, विश्व शांति स्थापित करने का एक साधन:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: भारत में जल संकट और संभावित समाधान।

विवरण:

- मीठे पानी के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1993 से प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है।
- इस वर्ष की थीम, "शांति के लिए जल" वैश्विक स्थिरता के लिए पानी की कमी को दूर करने के महत्त्व पर प्रकाश डालती है।
- जल संकट में योगदान देने वाले कारकों में शहरीकरण में तेजी, औद्योगीकरण, जलवायु परिवर्तन और अस्थिर कृषि पद्धतियाँ शामिल हैं।

भारत में जल संकट:

- भारत को महत्वपूर्ण जल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें भूजल स्तर में गिरावट भी शामिल है, खासकर पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में।
- कई क्षेत्रों में भूजल की खपत पुनर्भरण दर से अधिक हो गई है, जिससे गंभीर कमी हो गई है।
- बारहमासी नदियाँ और झरने सूख रहे हैं, जिससे देश भर में पानी की कमी की समस्याएँ गंभीर हो रही हैं।

वर्षा जल संचयन का महत्व और सरकारी पहल:

- विशेषकर वर्षा आधारित क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए वर्षा जल संचयन महत्वपूर्ण है।
- "प्रति बूंद अधिक फसल" और "जल शक्ति अभियान" जैसी सरकारी पहल जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर जोर देती हैं।
- खाद्य सुरक्षा और पर्यावरणीय अखंडता को बनाए रखने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों और कुशल जल उपयोग को बढ़ावा देना आवश्यक है।

शांति के लिए जल सुनिश्चित करने हेतु अतिरिक्त कदम:

- पानी की कमी को दूर करने के लिए भूजल स्तर की निगरानी और पानी की गुणवत्ता को पुनः प्राप्त करना आवश्यक कदम हैं।
- चक्रीय जल अर्थव्यवस्था सिद्धांतों और कुशल सिंचाई तकनीकों को लागू करने से पानी के उपयोग को अनुकूलित किया जा सकता है।
- दीर्घकालिक जल सुरक्षा के लिए सामुदायिक जागरूकता अभियान, एकीकृत कृषि प्रणाली और जलवायु लचीलापन रणनीतियाँ महत्वपूर्ण हैं।
- नवीन जल प्रबंधन प्रौद्योगिकियों को लागू करने के लिए अनुसंधान, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग आवश्यक है।

सारांश:

- विश्व जल दिवस "शांति के लिए जल" पर ध्यान केंद्रित करते हुए वैश्विक जल संकट पर प्रकाश डालता है। भूजल की कमी जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा भारत, वर्षा जल संचयन और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और शांति को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहल पर जोर देता है।

वैश्विक जलमंडल, और उसकी चुनौतियों का मार्गदर्शन कीजिए:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: जल संकट का कूटनीतिक समाधान।

विवरण: स्वच्छ जल तक पहुंच में चुनौतियाँ

- वैश्विक जल की कमी: दुनिया भर में लगभग दो अरब लोगों के पास स्वच्छ पानी तक पहुंच नहीं है और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।
- ऐतिहासिक संदर्भ: पूरे इतिहास में, पानी सभ्यताओं के उत्थान और पतन का केंद्र रहा है, जिससे अक्सर संसाधनों पर संघर्ष होता है।
- आधुनिक संदर्भ: जलवायु परिवर्तन जल असुरक्षा को बढ़ा देता है, गर्मी की लहरें और बाढ़ जैसी चरम मौसम की घटनाएं पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं।

शांति के लिए जल कूटनीति:

- ऐतिहासिक मिसाल: पानी को लेकर ऐतिहासिक संघर्षों ने शांति संधियों को भी जन्म दिया है, जो विवादों को सुलझाने में जल कूटनीति की क्षमता को दर्शाता है।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए, राष्ट्रों को जल-बंटवारे पर सहयोग करना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय जल कानून के सार्वभौमिक सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

- समावेशी दृष्टिकोण: जल कूटनीति में जल संबंधी विवादों को रोकने और हल करने के लिए स्वदेशी और स्थानीय समुदायों, नागरिक समाज और शैक्षणिक नेटवर्क को शामिल करना चाहिए।

जल गुणवत्ता असमानताओं को संबोधित करना:

- वैश्विक जल गुणवत्ता डेटा: बुनियादी पेयजल सेवाओं तक पहुंच में महत्वपूर्ण शहरी-ग्रामीण विभाजन के साथ, विश्व स्तर पर जल गुणवत्ता आंकड़ों की कमी देखी जाती रही हैं।
- ग्रामीण जल पहुंच: भारत में, 70% ग्रामीण आबादी घरेलू जरूरतों के लिए पानी पर निर्भर है, जिसमें कृषि आजीविका का प्राथमिक स्रोत है।
- संभावित समाधान: जल निवेश में वृद्धि और कृषि में एआई प्रौद्योगिकी के उपयोग से जल पहुंच में सुधार हो सकता है और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा मिल सकता है।

सीमा पार जल प्रशासन:

- मुद्दे का दायरा: दुनिया के मीठे पानी के संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा सीमा पार जल में है, जिसमें भारत की प्रमुख नदियाँ भी शामिल हैं।
- बिगड़ता प्रदूषण: दक्षिण एशिया में जल प्रदूषण, विशेषकर मेघना, ब्रह्मपुत्र, गंगा और सिंधु जैसी नदियों में, हाल के वर्षों में बदतर हो गया है।

सहयोग की आवश्यकता:

- समान जल आवंटन और साझा जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी सीमा पार जल प्रशासन आवश्यक है।

सारांश:

- पानी की कमी वैश्विक स्तर पर दो अरब लोगों के लिए चुनौती है। वर्तमान में शांति के लिए जल का उपयोग करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, समावेशी दृष्टिकोण और जल की गुणवत्ता में असमानताओं को दूर करने की आवश्यकता है। साथ ही स्थायी प्रबंधन और शांति

के लिए प्रभावी सीमा पार जल प्रशासन आवश्यक है।

जल असुरक्षा महिलाओं को कैसे प्रभावित करती है?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

सामाजिक मुद्दे:

विषय: महिला एवं महिला संगठन की भूमिका।

मुख्य परीक्षा: महिलाएँ और जल संकट।

विवरण: जल असुरक्षा और लैंगिक बोझ

- घरों में जल संग्रह की प्राथमिक जिम्मेदारी महिलाओं और लड़कियों की है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ पानी की पहुंच सीमित है।
- भारत की जल पहुंच में प्रगति के बावजूद, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण महत्वपूर्ण अंतरालों को इंगित करता है, जिसमें 41% से अधिक ग्रामीण घरों में उनके परिसर में सुरक्षित पेयजल की कमी है।
- भौगोलिक असमानताएँ बनी रहती हैं, परिवारों को अक्सर अपने मुख्य जल स्रोत के लिए 1.5 किमी या उससे अधिक तक की काफी दूरी तय करनी पड़ती है।
- पानी की कमी से घरों में तनाव बढ़ जाता है और महिलाओं के जीवन, घरेलू गतिशीलता और सामाजिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- पानी तक पहुंच की कमी लड़कियों की स्कूल उपस्थिति और शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है, जबकि महिलाओं को जल संग्रहण के दौरान लिंग आधारित हिंसा का सामना करना पड़ता है, जिससे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होती हैं।

महिलाओं के स्वास्थ्य पर जल असुरक्षा का प्रभाव:

- जल असुरक्षा खुले में शौच की प्रथा को बढ़ावा देती है, जिसके परिणामस्वरूप दस्त, टाइफाइड और हैजा जैसे स्वास्थ्य जोखिमों के साथ-साथ मासिक धर्म संबंधी स्वास्थ्य समस्याएं भी होती हैं।

- खुले में शौच करने वाली महिलाएं मनोसामाजिक तनाव का अनुभव करती हैं और गैर-साथी यौन हिंसा के उच्च जोखिम का सामना करती हैं, जिससे उनकी भलाई पर और प्रभाव पड़ता है।

नीतिगत प्रतिक्रियाएँ और सशक्तिकरण प्रयासः

- जल जीवन मिशन (IJM) और राष्ट्रीय जल मिशन जल प्रबंधन में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलावों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसका लक्ष्य पेयजल पहुंच के लिए घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करना है।
- जेजेएम पहल जल संग्रहण पर खर्च होने वाले समय को कम करके महिलाओं के बोझ को कम करती है, जिससे उन्हें उत्पादक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिलता है।
- ग्राम पंचायत और स्वयं सहायता समूह की गतिविधियों सहित सामुदायिक भागीदारी में वृद्धि के साथ-साथ जल कार्यक्रम की योजना और निगरानी के लिए पानी समितियों में भागीदारी के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जाता है।
- जेजेएम दिशानिर्देश जल गुणवत्ता निगरानी में महिलाओं को प्रशिक्षण देने, उन्हें सशक्त बनाने और ग्रामीण घरों में गुणवत्तापूर्ण पानी की डिलीवरी सुनिश्चित करने को प्राथमिकता देते हैं।

शोध के निष्कर्ष और निहितार्थः

- तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में किया गया एक अध्ययन जेजेएम के तहत घरों में सुरक्षित पेयजल की पहुंच के सकारात्मक परिणामों को दर्शाता है।
- पानी की बेहतर पहुंच से महिलाओं के लिए समय की बचत होती है, जिसका उपयोग वे घरेलू प्रबंधन, बच्चों की देखभाल और बच्चों की स्कूली शिक्षा के लिए करती हैं।
- उच्च सशक्तिकरण संकेतक वाली महिलाएं पानी लाने में कम समय खर्च करती हैं और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य प्रदर्शित करती हैं।
- जल पहुंच और स्वच्छता के बीच सकारात्मक सहसंबंध मौजूद हैं, जो इन मुद्दों की परस्पर संबद्धता और उन्हें संबोधित करने के लिए व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर देता है।

सारांश:

- जल असुरक्षा भारत में महिलाओं पर अत्यधिक बोझ डालती है, जिससे उनके दैनिक जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर असर पड़ता है। जल जीवन मिशन जैसी नीतिगत पहल का उद्देश्य इन बोझों को कम करना, लिंग सशक्तिकरण पर जोर देना और बेहतर सामाजिक-आर्थिक परिणामों के लिए पानी की पहुंच में सुधार करना है।

परमाणु ऊर्जा: वित्त को सुधारना:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी:

विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: परमाणु ऊर्जा अपनाने में चुनौतियाँ।

विवरण: परमाणु वित्तपोषण नीतियों के पुनर्मूल्यांकन की तत्काल आवश्यकता

- बहुपक्षीय विकास बैंकों (MDB) को परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए निजी पूंजी या मिश्रित वित्तपोषण मॉडल को समायोजित करने के लिए अपनी वित्तपोषण नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।
- जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने में परमाणु ऊर्जा की अपरिहार्य भूमिका के बावजूद, एमडीबी और निजी निवेशकों ने उद्योग के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण योगदान नहीं दिया है।
- विश्व बैंक जैसे संस्थानों से वित्तीय सहायता की कमी पुरानी वित्तपोषण नीतियों को दर्शाती है जो परमाणु ऊर्जा के विकास में बाधा डालती है।

सफल वित्तीय मॉडल और सहकारी वित्त पोषण प्रथाएँ:

- फ्रांस, दक्षिण कोरिया, रूस और यूके जैसे देशों ने परमाणु परियोजनाओं के लिए सफल सहकारी वित्त पोषण मॉडल लागू किया है।

- फिनलैंड में 'मनकला' जैसे सहकारी वित्त मॉडल, जहां कई निजी कंपनियां संयुक्त रूप से ऊर्जा उत्पादकों की मालिक हैं और उन्हें फंड देती हैं, सफल वित्तपोषण का एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करते हैं।
- वित्तीय रचनात्मकता, बाज़ार समर्थन और कम ब्याज दरों के साथ, बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा की क्षमता को अनलॉक कर सकती है।

परमाणु अवसंरचना विकास और वित्तपोषण के बीच विसंगति:

- दुनिया भर में परमाणु रिएक्टरों की बढ़ती संख्या के बावजूद, परमाणु बुनियादी ढांचे के विकास और वित्त जुटाने की स्थिति आनुपातिक नहीं है।
- यूटा में न्यूस्केल पावर की समाप्त परियोजना और परमाणु बिजलीघर वेस्टिंगहाउस और अरेवा की दिवालियापन फाइलिंग जैसे उदाहरण परमाणु परियोजना के वित्तपोषण और कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों को उजागर करते हैं।
- परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए चीन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य बुनियादी ढांचे के विकास और वित्तपोषण के बीच अंतर को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करते हैं।

परमाणु ऊर्जा में भारत की स्थिति और प्रयास:

- भारत के परमाणु उद्योग को कलंक, हथियारीकरण जोखिम और नियामक बाधाओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे विश्वसनीय और लागत प्रभावी ऊर्जा की पेशकश के बावजूद इसकी गोद लेने की दर सीमित हो जाती है।
- भारत में हाल की पहल, जिसमें निजी निवेश को आमंत्रित करना, परमाणु क्षमता को तीन गुना करना और प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) जैसी प्रगति शामिल है, उद्योग के लिए एक सकारात्मक प्रक्षेपवक्र का संकेत देती है।
- पीएफबीआर की नवोन्वेषी क्षमताएं अपने परमाणु उद्योग को आगे बढ़ाने और परमाणु ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

सारांश:

- असमान अवसंरचना विकास और वित्तपोषण के कारण परमाणु वित्तपोषण का तत्काल पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। सहकारी वित्त पोषण जैसे सफल मॉडल मौजूद हैं। भारत का परमाणु उद्योग चुनौतियों के बावजूद विकसित हो रहा है, जो सकारात्मक विकास की संभावनाओं का संकेत देता है।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले क्यों किए?

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: पाकिस्तान और अफगानिस्तान का बढ़ता तनाव और इसका क्षेत्रीय प्रभाव।

पृष्ठभूमि और संदर्भ:

- हालिया तनाव: अफगानिस्तान के पक्त्िका और खोस्त प्रांतों में पाकिस्तानी हवाई हमलों में नागरिक हताहत हुए, जिसके परिणामस्वरूप सीमा पर पाकिस्तानी सैन्य चौकियों पर तालिबान ने जवाबी हमले किए।
- विवादित सीमा: पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा को चिह्नित करने वाली डूरंड रेखा पर अफगानिस्तान लंबे समय से विवादित रहा है, खासकर पाकिस्तान में पश्तून क्षेत्रों को लेकर।
- तालिबान के साथ तनाव: अफगान तालिबान द्वारा डूरंड रेखा को स्थायी सीमा के रूप में अस्वीकार करने और उसके बाद की झड़पों ने तनाव बढ़ा दिया, खासकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा 2022 में युद्धविराम समाप्त करने के बाद।

हवाई हमले के कारण:

- आतंकवादी गतिविधियाँ: उत्तरी वजीरिस्तान में एक आत्मघाती बम विस्फोट में सात पाकिस्तानी सैनिकों की मौत के बाद, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कड़ी प्रतिक्रिया की कसम खाई।

- कथित टीटीपी संलिप्तता: टीटीपी के हाफिज गुल बहादुर समूह ने 16 मार्च के हमले की जिम्मेदारी ली, जिसके बाद पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में टीटीपी आतंकवादियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए।
- पिछले उदाहरण: पाकिस्तान ने इससे पहले अप्रैल 2022 में इसी तरह के आतंकवादी समूहों को निशाना बनाकर अफगानिस्तान के खिलाफ हवाई हमले किए थे।

प्रतिक्रियाएँ और जवाब:

- तालिबान की चेतावनी: तालिबान ने नागरिक हताहतों का हवाला देते हुए और टीटीपी आतंकवादियों को शरण देने के आरोपों से इनकार करते हुए, पाकिस्तान द्वारा अफगान क्षेत्र पर हमले जारी रखने पर गंभीर परिणाम की चेतावनी दी।
- पाकिस्तानी चिंताएँ: पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने अफगानिस्तान में टीटीपी की उपस्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की, और आरोप लगाया कि अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल पाकिस्तान में हमले करने के लिए किया जा रहा है।
- राजनयिक तनाव: अफगान धरती से हमलों को रोकने के संबंध में तालिबान के आश्वासन के बावजूद, लगातार हिंसा और आतंकवादी गतिविधियों के कारण पाकिस्तान और तालिबान के बीच अविश्वास बना हुआ है।

सारांश:

- पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण आत्मघाती बम विस्फोट के जवाब में पाकिस्तानी हवाई हमले हुए। यह अफगानिस्तान में तालिबान की मौजूदगी और पाकिस्तान में हमलों के लिए उसके कथित समर्थन के कारण तनावपूर्ण संबंधों को उजागर करता है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. बस्टर्ड आवास में बिजली लाइनों को बदलने की गुंजाइश का अध्ययन करने के लिए पैनल गठित:

संदर्भ:

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने लुप्तप्राय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड पक्षी आबादी के सामने आने वाले आसन्न खतरे से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं।

सम्बन्धित जानकारी:

- हाल के एक घटनाक्रम में, इन शानदार पक्षियों के संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा पहल के लिए देश की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बीच नाजुक संतुलन बनाने के लिए एक विशेष विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है।
- मुख्य न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली समिति में प्रतिष्ठित वन्यजीव विशेषज्ञ, संरक्षणवादी और संबंधित मंत्रालयों के अधिकारी शामिल हैं।
- इस समिति का प्राथमिक ध्यान गुजरात और राजस्थान में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के मुख्य आवासों में उच्च शक्ति वाले केबलों को स्थानांतरित करने की व्यवहार्यता का आकलन करना है, जो पक्षियों की मौत का एक प्रमुख कारण है।
- यह समिति सतत विकास लक्ष्यों और पक्षी संरक्षण प्रयासों के बीच संघर्ष को कम करने के लिए वैकल्पिक रणनीतियों का पता लगाएगी।

महत्व:

- यह पहल पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। विभिन्न क्षेत्रों से विशेषज्ञता को एक साथ लाकर, समिति का लक्ष्य व्यापक समाधान तैयार करना है जो पक्षी प्रजातियों और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा एजेंडे दोनों की रक्षा करे।

2. पर्यावरण मंत्रालय ने बायोप्लास्टिक पर नियम कड़े किये:

संदर्भ:

- पर्यावरण मंत्रालय के नए नियमों का लक्ष्य डिस्पोजेबल प्लास्टिक पर 'बायोडिग्रेडेबल' लेबलिंग को कड़ा करना और शून्य माइक्रोप्लास्टिक अवशेषों पर जोर देना है।

मुद्दा:

- बायोडिग्रेडेबल और कंपोस्टेबल प्लास्टिक भारत की प्लास्टिक अपशिष्ट दुविधा का समाधान प्रदान करते हैं, फिर भी कंपोस्टेबल के लिए विशेष सुविधाओं की आवश्यकता होती है।
- प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों में संशोधन अब बायोडिग्रेडेबल्स को माइक्रोप्लास्टिक छोड़े बिना टूटने वाले पदार्थों के रूप में परिभाषित करता है।
- हालाँकि, माइक्रोप्लास्टिक्स की अनुपस्थिति की पुष्टि करने वाले परीक्षणों के संबंध में स्पष्टता का अभाव है।
- सिम्फनी एनवायरनमेंटल इंडिया के सीईओ निष्पक्षता के लिए मानकीकृत परीक्षणों की वकालत करते हैं।
- माइक्रोप्लास्टिक्स, एक महत्वपूर्ण प्रदूषण स्रोत हैं जो सख्त नियमों की तात्कालिकता पर प्रकाश डालता है।
- कड़े गिरावट मानदंडों के कारण कंपनियों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से बायोडिग्रेडेबल प्रमाणीकरण प्राप्त करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे प्रक्रिया दो साल तक लंबी हो जाती है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

[UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:](#)

प्रश्न 1. विधेयकों पर राज्यपाल की शक्ति के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

कथन I: राज्यपाल राज्य विधानमंडल द्वारा पारित किसी भी विधेयक को वापस कर सकता है।

कथन II: अनुमति रोकने की राज्यपाल की शक्ति पूर्ण है और इसे अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल कथन I
- (b) केवल कथन II
- (c) कथन I और II दोनों
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

प्रश्न 2. प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: उषा मेहता भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्य थीं और उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया था।

कथन II: उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भूमिगत रेडियो प्रसारण "कांग्रेस रेडियो" के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कथन III: उषा मेहता ने बाद में संसद सदस्य के रूप में कार्य किया और स्वतंत्र भारत में विभिन्न मंत्री पदों पर कार्य किया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल कथन I सही है
- (b) कथन I और II सही हैं
- (c) कथन II और III सही हैं
- (d) सभी कथन सही हैं

उत्तर: b

व्याख्या:

प्रश्न 3. जल शक्ति अभियान के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: भारत ने जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए जल शक्ति अभियान शुरू किया है।

कथन-II: जल शक्ति अभियान केवल शहरी क्षेत्रों पर केंद्रित है और ग्रामीण क्षेत्रों को कवर नहीं करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है
- (b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
- (d) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

उत्तर: c

व्याख्या:

प्रश्न 4. विश्व जल विकास रिपोर्ट के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: यह रिपोर्ट विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा यूएन-वॉटर के सहयोग से तैयार की गई है।

कथन II: इस रिपोर्ट में दुनिया भर में पानी की कमी, पानी की गुणवत्ता, अपशिष्ट जल प्रबंधन और पानी से संबंधित आपदाओं जैसे विषयों को शामिल किया गया है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

- (a) केवल कथन I
- (b) केवल कथन II
- (c) दोनों कथन I और II
- (d) इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

प्रश्न 5. निम्नलिखित गतिविधियों पर विचार कीजिए: PYQ (2020)

1. किसी फसल वाले खेत में कीटनाशकों का छिड़काव करना
2. सक्रिय ज्वालामुखियों के क्रेटर का निरीक्षण करना
3. डीएनए विश्लेषण के लिए स्पाउटिंग व्हेल से सांस के नमूने एकत्र करना

प्रौद्योगिकी के वर्तमान स्तर पर ड्रोन का उपयोग करके उपरोक्त में से कौन सी गतिविधियाँ सफलतापूर्वक की जा सकती हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: d

व्याख्या:

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. भारत में जल सुरक्षा और लैंगिक समानता हासिल करने में चुनौतियों और अवसरों की आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, सामाजिक न्याय] (Critically examine the challenges and opportunities in achieving water security and gender equity in India. (15 marks, 250 words) [GS-2, Social Justice])

प्रश्न 2. तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की उभरती गतिशीलता और क्षेत्रीय सुरक्षा, विशेषकर भारत और अफगानिस्तान के संबंध में इसके निहितार्थ का विश्लेषण कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Analyze the evolving dynamics of the Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP) and its implications for regional security, particularly in relation to India and Afghanistan. (15 marks, 250 words) [GS-2, International Relations])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)